भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह में भारत के राष्ट्रपति, श्री रामनाथ कोविंद का संबोधन

सिडनी, 21 नवंबर, 2018

1. ऑस्ट्रेलिया में यह मेरी पहली राजकीय यात्रा है। मुझे आप सभी से मिलकर बहुत ख़ुशी हुई है। मैं इतने हार्दिक और स्नेहपूर्ण स्वागत के लिए आपका धन्यवाद करता हूंl नर्तन डांस स्कूल द्वारा प्रस्तुत किए गए सुंदर संगीतमय भरतनाट्यम नृत्य प्रदर्शन से एक क्षण के लिए मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी दूर देश में नहीं बल्कि भारत के ही किसी नगर में बैठा हूं।

2. अपनी विदेश यात्राओं के दौरान, मैं हमेशा, प्राथमिकता के तौर पर भारतीय समुदाय से मिलता हूं। वास्तव में, मेरे कार्यक्रम की पहली प्राथमिकता निसंदेह भारतीय प्रवासियों के साथ मेरी मुलाकात की होती हैl और मैं यह बताना चाहता हूं कि विदेश में अपने लोगों, अपने दोस्तों से मिलना और उनके साथ अपने वतन के बारे में विचार साझा करना और स्वदेश के शुभकामनाएं संदेश पहुंचाना बहुत खास एहसास होता है।

3. आज मैंने एनज़ेक युद्ध स्मारक की यात्रा के साथ अपना कार्यक्रम आरंभ कियाl यह स्मारक ऐसे लोगों को समर्पित है जिन्होंने दूसरों की आजादी की रक्षा के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। यह स्मारक भारतीय सैनिकों की बहादुरी और साहस का भी प्रतीक है जिन्होंने गल्लीपोली और अन्य युद्ध क्षेत्रों में अपने ऑस्ट्रेलियाई भाइयों के साथ विश्व युद्ध में हिस्सा लिया।

4. कल, मेरे पास मानवता और आज़ादी के लिए त्याग के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक अन्य अवसर होगा। मैं प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन के साथ संयुक्त रूप से, पर्रामाटा में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण करूंगाl इस वर्ष हमने उनकी 150वीं जयंती पर विश्वव्यापी समारोह आरंभ किया है और यह प्रतिमा, उनके जीवन और विरासत के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि होगीl मैं आशा करता हूं कि आप वहां मौजूद होंगेl मैं गवर्नर जनरल और प्रधानमंत्री के साथ आधिकारिक वार्ता भी करूंगा और यह चर्चा करूंगा कि हमारे बीच के द्विपक्षीय संबंध कैसे बेहतर किए जाएं; हालांकि ये संबंध पहले ही क्रिकेट के प्रति हमारे आपसी लगाव तथा हमारे साझा राष्ट्रमंडल संबंधों से कहीं आगे, नई रणनीतिक ऊंचाई पर पहुंच चुके हैंl

5. भिन्न-भिन्न भाषाएं बोलने वाले और बहु-निध मतों को मानने वाले प्रवासी भारतीयों का समुदाय इस देश में काफी बड़ा और विविधतापूर्ण हैl यह महीना, त्योहारों का महीना रहा हैl हमने हाल ही में दिवाली मनाई है। आज पैगंबर मोहम्मद का जन्मदिन मिलाद-उन-नबी है, और मैं इस अवसर पर अपने सभी मुस्लिम भाइयों और बहनों को बधाई देता हूंl परसों, 23 नवंबर को, हम गुरु पर्व मनाएंगेl मैं अपने सिख भाइयों और बहनों को अग्रिम बधाई देता हूंl मैं समझता हूं कि ऑस्ट्रेलिया के सभी भागों- पर्थ, मेलबर्न, एडिलेड, ब्रिसबेन और कई अन्य शहरों से हमारे लोग

मुझसे मिलने और शुभकामना देने यहां आए हैं। इससे यह पता चलता है कि अपने देश भारत, या अपने पूर्वजों की भूमि के साथ आपका रिश्ता कितना मजबूत है।

देवियो और सज्जनो,

6. ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय का एक लम्बा इतिहास रहा है। भारतीयों का पहला समूह 100 से भी अधिक वर्ष पहले यहां आया था। 20 वीं सदी की शुरुआत में, भारतीयजन, केले के बगानों और सोने की खानों में काम करने के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। उनमें से कई लोग हमारे सिख भाई थे, जो पहले वूलगूलगा में बसे और फिर बाद में अन्यत्र चले गए। उन्होंने कड़ी मेहनत की और समय के थपेड़ों का मुकाबला किया। अपने दिन-प्रतिदिन के संघर्ष में भी उन्होंने अपने सांस्कृतिक रीति-रिवाजों और जीवन शैली को संरक्षित करने के बेहतरीन प्रयास किए।

7. यह उल्लेखनीय है कि यह समुदाय अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने और आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता पर कायम है। उस प्रतिबद्धता को हमने अभी-अभी देखा और उसका आनंद लिया। इतना ही नहीं, आपने स्थानीय ऑस्ट्रेलियाई लोगों से भी हार्दिक और स्नेहपूर्ण संबंध बनाए हैं। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि आप अपने त्योहार और पर्व बहुत उत्साह पूर्वक और गर्व से मनाते हैं। बैसाखी, होली, दीवाली, ईद और क्रिसमस में आप न केवल एक दूसरे को बधाई देते हैं, बल्कि अपने ऑस्ट्रेलियाई भाइयों और पड़ोसियों को भी बधाई देते हैं। यह बहुत प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। और हमारी समावेशी भारतीय परंपरा की सच्ची भावना के अनुरुप आपने अपने बच्चों को हेलोवीन का आनंद लेना भी सिखा दिया है।

8. यह हमारे लिए गर्व की बात है कि ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय को बहुत सम्मान प्राप्त है। आज के समय में यहां पूरे विश्व में भारतीय कौशल और व्यावसायिकता की भारी मांग है। ऑस्ट्रेलिया में बहुत से भारतीय विद्यार्थी भी रह रहे हैं। वे अध्ययन, अनुसन्धान, नवाचार और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा ऑस्ट्रेलिया एवं भारत के बीच ज्ञान साझेदारी की मजबूती में नज़र आती है। मैं परसों मेलबर्न विश्वविद्यालय में इस विषय पर चर्चा करने वाला हूं।

9. आप में से कई लोगों के लिए ऑस्ट्रेलिया आप का नया घर और कई लोगों के लिए आप की कर्मभूमि है। मुझे खुशी है कि आपके द्वारा अपनाए गए देश में और आपके व्यवसायिक क्षेत्र में आपका खुले हाथों स्वागत किया गया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया बहु-संस्कृतिवादी समाज हैं। दोनों देशों का के बारे में यह समान अनूठापन, आपके लिए यहां बसने, दोस्त, परिवार और समूह बनाना आसान बनाएगा। आपने इस देश की खुशहाली में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एक उद्यमी, डॉक्टर, शिक्षक, बैंकर और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ के रूप में आप ऑस्ट्रेलियाई समाज और

अर्थव्यवस्था मैं बहुत महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं। हमें आपकी उपलब्धियों और सफलता पर वास्तव में गर्व है।

देवियो और सज्जनो,

10. मैं जानता हूँ कि आप लोग भारत के विकास के बारे में अद्यतन जानकारी रखते हैं। आप में से कई लोग नियमित रूप से भारत की यात्रा करते रहते हैं। लेकिन जो लोग कुछ वर्षों के अंतराल में जाते हैं, उन्हें अब एक नया भारत दिखेगा, नया अनुभव आपकी प्रतीक्षा कर रहा है!

11. हमारी तरक्की और विकास से देश में नया आत्मविश्वास पैदा हुआ है। भारत पिछली तिमाही में 8.2% की विकास दर के साथ विश्व में सबसे अधिक तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। माल और सेवा कर आरम्भ करने की हमारी ऐतिहासिक पहल के साथ इतिहास में पहली बार भारत एक देश, एक कर, एक बाजार वाला देश बन गया है। इससे और कुछ अन्य सुधारों से विश्व बैंक व्यापार सुगमता सूचकांक में गत 4 वर्षों में हमने 65 स्थानों की छलांग लगाई है। देश में वैश्विक निवेशकों का विश्वास अपनी नवीन ऊँचाइयों पर है। हमने गत 4 वर्षों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के रूप में 200 बिलियन यूएस डॉलर से अधिक प्राप्त किए हैं। 100 स्मार्ट शहरों, 7 उच्च गति रेल कॉरिडोरों, 10 हरित क्षेत्र हवाई अड्डों, पूरे देश में डिजिटल केनेक्टिविटी और हजारों किलोमीटर के एक्सप्रेस वे सहित नवीनतम उन्नत अवसंरचना निर्माण का कार्य प्रगति पर है। और हम केवल तरक्की के लिए नहीं बल्कि महिलाओं और दिव्यांगजनों तथा विकास की सीढ़ी के निम्नतम पायदान पर खड़े लोगों के सशक्तिकरण के लिए भी कार्य कर रहे हैं।

12. उच्च वृद्धि दर और सामाजिक आर्थिक परिवर्तनकारी बदलावों के साथ देश में युवा वर्ग नवीन विचारों और ऊर्जा से लबरेज़ है। उनकी उद्यमशीलता और नवाचार ने भारत को विश्व में तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परितंत्र बना दिया है।

13. आज भारत सामाजिक उद्यमिता और सांस्कृतिक संपर्कों के लिए तथा व्यापार के लिए अवसरों का क्षेत्र बन गया है। मैं आप सभी को इस परिवर्तनशील यात्रा में अपने साथ आने के लिए आमंत्रित करता हूं। आप अपने विचारों, अपने व्यापार मॉडल और अपनी निवेश विशिष्टताओं के साथ योगदान कर सकते हैं। हम 'मेक इन इंडिया', 'स्किल इंडिया' 'स्वच्छ भारत' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे हमारे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रमों में एक विशेष साझेदार के तौर पर ऑस्ट्रेलिया पर भरोसा करते हैं। हम भारत में तरक्की और विकास के लिए ऑस्ट्रेलियाई प्रौद्योगिकी, तकनीकी ज्ञान और निवेश क सहायता लेने के लिए इच्छुक हैं। आप इस कार्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

देवियो और सज्जनो,

14. पिछले कुछ वर्षों में, आपने देखा होगा कि हमारी सरकार हमारे प्रवासी भारतीयों तक पहुंचने और उन्हें अपने साथ जोड़ने के कार्य में लगातार लगी हुई है। आज विदेशों में निवासरत भारतीय समुदाय के साथ भारत के मजबूत संबंध हैं। हमने विदेशों में अपने लोगों के साथ बेहतर जुड़ाव स्थापित करने के लिए 'नो इंडिया कार्यक्रम' जैसी योजनाएं आरंभ की हैं। हमारी ओसीआई योजना को लचीला बनाया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे लाभान्वित हो सकें। हमने अपने दूतावासों को, अपने जरूरतमंद लोगों के लिए चौबीस घंटे उपलब्ध रहने के आदेश दिए हैं और हम जब और जहां आवश्यक हो, मानवतावादी सहायता उपलब्ध करा रहे हैं, पिछले 4 वर्षों में हमने प्राकृतिक आपदाओं या संकट ग्रस्त 50 अन्य देशों के लोगों सहित 90 हजार भारतीयों को बचाया है।

15. हमारी अंतरराष्ट्रीय पहुंच को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण भागीदार के तौर पर हम प्रवासी भारतीयों पर विश्वास करते हैं। भारत का संदेश प्रसारित करने में आप की भी भूमिका है। हालांकि इस देश में हमारे उच्चायुक्त मौजूद हैं, लेकिन हम आप सभी को अपना सांस्कृतिक राजदूत मानते हैं। आप लोगों ने इन वर्षों में यहां उल्लेखनीय कार्य किया है, इसी तर्ज पर हम ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने संबंधों को बेहतर करने में आप पर निर्भर हैं। अगले वर्ष, हम 21 से 23 जनवरी तक वाराणसी में प्रवासी भारतीय दिवस मनाएंगे। मैं इस महोत्सव में हिस्सा लेने के लिए आप सभी को आमंत्रित करता हूं।

देवियो और सज्जनो,

16. आपके साथ अपने विचार साझा करते हुए मुझे बहुत खुशी हुई है। ऑस्ट्रेलिया को खेलों के लिए विशेष लगाव वाला देश माना जाता है। आज, ब्रिसबेन में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी-20 का खेल हो रहा है। इस प्रारूप ने कई तरीके से क्रिकेट के खेल को बदल दिया है। मैं दोनों टीमों को शुभकामनाएं देता हूं। संभवतः खेल के मैदान में अपने ऑस्ट्रेलियाई दोस्तों से मिले बिना अपनी राजकीय यात्रा पूरी होने की मैं कल्पना भी नहीं कर सकता। मुझे भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीमों को शुभकामना देने के लिए 23 नवंबर को एमसीजी पहुंचना है। आप नीली जर्सी या पीली जर्सी में से किसी भी जर्सी का समर्थन कर सकते हैं। इससे कोई अंतर नहीं पड़ता। हमें इस खेल को खेल के लिए और एकजुट होने के लिए, इसे खेल भावना के साथ लेना चाहिए। आप जब कभी भी भारत आएं, मैं आपको राष्ट्रपति भवन का भ्रमण करने के लिए आमंत्रित करता हूं। हां, यह सही है कि यह मेरा आधिकारिक निवास है, किंतु यह सभी भारतीयों का भी घर है और आपको इसका गौरवशाली इतिहास का साक्षी बनने के लिए वहां जरूर आना चाहिए।

धन्यवाद!